RNI No. HARHIN06075

गोल्डन स्कूल का

गोल्डन संदेश

मासिक समाचार पत्र

E-mail : goldensandesh999@gmail.com

वर्ष –1 | अंक–6 | मार्च 2016 | उकलाना (हिसार) | मूल्य –निःशुल्क | पृष्ठ–4

धूमधाम से मनाया गया शहीदी दिवस व होली का त्योहार

उकलाना। क्षेत्र मे शहीदे आजम भगत सिंह, राजगुरू व सुखदेव के शहीदी दिवस के अवसर पर सामाजिक व शिक्षण संस्थानो मे कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमे देशभक्तो की कुर्बानी को याद किया गया तथा उनके दिखाएं मार्ग पर चलने का प्रण लिया। स्थानीय गोल्डन पब्लिक स्कूल में एक सादे समारोह मे शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर प्राचार्य प्रीतम सिंह ने कहा कि शहीद किसी एक जाति या धर्म ने नहीं होते बल्कि वे देश की सांझी विरासत होतें है। आज हम जो खुली हवा मे सांस ले रहे है वो हमारे देशभक्तो की कुर्बानी का ही परिणाम है, इसलिए हमे उनके दिखाएं मार्ग पर चलना चाहिए। आज कुछ राजनेता अपने स्वार्थ के लिए हमे लड़ाकर हमारे देश की एकता को खतरे मे डालना चाहते है जिसे किसी भी कीमत पर सफल ना होने दें। इसके अलावा मुगलपुरा गांव में शहीदी दिवस पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें ग्राम पंचायत व नेहरू युवा संगठन के सदस्यों ने शहीदो के दिखाऐ मार्ग पर चलने का प्रण लिया व इस अवसर पर उपस्थित ग्रामीणों को एकता व सद्भावना की शपथ दिलवाई। इस अवसर पर सरपंच सुरेश कुमार, जयभगवान, सुनिल कुमार, रमेश कुमार, गुलाब सिंह, राजेन्द्र आदि उपस्थित थे।

भारत स्वाभिमान ट्रस्ट ने शहीदों को श्रद्धांजलि देकर शहीदी दिवस मनाया 23 मार्च को होली एवं शहीदी दिवस के अवसर पर भारत स्वाभिमान ट्रस्ट उकलाना के तत्वाधान में एक श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा अंत्योदय योजना प्रदेश प्रमुख एवं महा जनसंपर्क अभियान प्रदेश प्रभारी श्रीनिवास गोयल तथा भारत स्वाभिमान ट्रस्ट हिसार के जिला प्रभारी मुकेश कुमार ने शिरकत की। इस दौरान सभी अतिथियों ने भारत देश के लिए शहीद होने वाले शहीदों भगत सिंह,राजगुरू व सुखदेव को श्रद्धासुमन अर्पित किये और उनकी वीरता व देशभक्ति के लिए उन्हें नमन किया। इस अवसर पर सत्यभूषण बिदल, वीरसिंह, मा.महेन्द्र कुंडू, बलजीत सूरेवाला, नरेन्द्र घनघस, अजीत लितानी, बलबीर गिल, दरवेश भारत, मा. अतुल, बसंत जांगड़ा, अशोक कुमार,अनिल पानू, महिला प्रभारी मधु शुक्ला, दीपक गोयल, संदीप गोयल समेत भारी संख्या में पहुंचे लोगों ने देश के शहीदों को नमन किया। इस दौरान सभी ने मिलकर फूलों व प्राकृतिक रंगों के साथ होली पर्व का भी आनन्द लिया।

होली के अवसर पर विशेष

होली हमारे देश का एक परंपरागत त्यौहार है जो उल्लास से मनाया जाता रहा है। यह अलग बात है कि इसे मनाने का ढंग अब लोगों का अलग अलग हो गया है। कोई रंग खेलने मित्रों के घर पर जाता है तो कोई घर पर ही बैठकर खा-पीकर मनोरंजन करते हुए समय बिताता है। इसका मुख्य कारण यह है कि जब तक हमारे देश में संचार और प्रचार क्रांति नहीं हुई थी तब तक इस त्यौहार को मस्ती के भाव से मनाया जरूर जाता था पर अनेक लोगों ने इस अवसर पर दूसरे को अपमानित और बदनाम करने के लिये भी अपना प्रयास कर दिखाया। केवल शब्दिक नहीं बल्कि सचमुच में नाली से कीचड़ उठाकर फैंकने की भी घटनायें हुईं। अनेक लोगों ने तो इस अवसर पर अपने दुश्मन पर तेजाब वगैरह डालकर उनको इतनी हानि पहुंचाई कि उसे देख सुनकर लोगों का मन ही इस त्यौहार से वितृष्णा से भर गया। तब होली उल्लास कम चिंता का विषय बनती जा रही थी।

शराब पीकर हुड़-दंग करने वालों ने लंबे समय तक शहरों में आतंक का वातावरण भी निर्मित किया। समय के साथ सरकारें भी चेतीं और जब कानून का डंडा चला तो फिर हुडदंगबाजों की हालत भी खराब हुई। हर वर्ष सरकारें और प्रशासन होली पर बहुत सतर्कता बरतता है। इस बीच हुआ यह कि शहरी क्षेत्रों में अनेक लोग होली से बाहर निकलने से कतराने लगे। एक तरह से यह उनकी आदत बन गयी। अब तो ऐसे अनेक लोग हैं जो इस त्यौहार को घर पर बैठकर ही बिताते हैं।

जब सरकारों का ध्यान इस तरफ ध्यान नहीं था और पुलिस प्रशासन इसे सामान्य त्यौहारों की तरह ही लेता था तब हुड़दंगी राह चलते हुए किसी भी आदमी को नाली में पटक देते।जब पूरे देश में होली के अवसर पर सुरक्षा व्यवस्था का प्रचनल शुरु हुआ तब ऐसी घटनायें कम हो गयी हैं। इधर टीवी, वीडियो, कंप्यूटर तथा अन्य भौतिक साधनों की प्रचुरता ने लोगों को दायरे में कैद कर दिया और अब घर से बाहर जाकर होली खेलने वालों की संख्या कम ही हो गयी है। अब तो यह स्थिति है कि कोई भी आदमी शायद ही अनजाने आदमी पर रंग डालता हो। फिर महंगाई और रंगों की मिलावट ने भी इसका मजा बिगाड़ा।

ADMISSION OPEN

For Nur. to 10+2(All Stream)
Arts Only For Girls
(10+1, 10+2)

GOLDEN PUBLIC SCHOOL
SUREWALA CHOWK, UKLANA
LET YOUR CHILD GROW FULLY

Golden Public School

Surewala Chowk, Uklana Mandi (Hisar)

हरियाणा सरकार द्वारा संचालित व्यवसायिक कोर्स
(Patient Care Assistent & Information Technology)
के लिए अधिकृत स्कूल।

भिवानी बोर्ड द्वारा घोषित *10+2* के परीक्षा परिणाम में
गोल्डन स्कूल ने प्रदेश भर में
तीसरा स्थान प्राप्त किया है। वर्ष *(2014-15)*

E-mail ID - goldenschool999@gmail.com
Website-www.goldenschool.org

Phone No. 01693-235166
Mob. No. 94664-84104, 89014-21333

सम्पादकीय

गोल्डन संदेश का उद्देश्य

50 वर्षों के अनुभव से यह अवधारणा पुष्ट हुई कि विद्यार्थियों में रचनात्मक की प्रवृति विद्यार्थी जीवन में उत्पन्न की जा सकती है। स्कूल और कॉलेज इसके लिए अच्छे मंच साबित हो सकते हैं। इसी ध्येय को लक्ष्य कर हमने गोल्डन संदेश का प्रकाशन शुरू किया है। शिक्षा के साथ-साथ अन्य सहगामी गतिविधियों में विद्यार्थियों को पारंगत बनाने के लिए इस पत्र का सहारा लिया जाता है। मासिक पत्र को तैयार करने के लिए विद्यार्थी सम्पादक बनाएं गये है ताकि वो भविष्य मे अच्छे पत्रकार बन सकें। इसके इलावा कविता, पेंटिंग, निम्बध, लेख, कार्टून आदि लिखने वाले विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने का साधन है हमारा यह पत्र गोल्डन संदेश। सभी जानते है कि समाचार पत्र मे नाम प्रकाशित होने पर जो होसला मिलता है, उससे प्रेरणा लेकर विद्यार्थी भविष्य मे ओर भी अच्छा करने का प्रयास करतें हैं। इसके इलावा छोटे बच्चों के जन्मदिवस पर फोटो भी इस पत्र मे प्रकाशित किएं जाते है ताकि उनका जुडाव भी पत्र के साथ बना रहें। विद्यालय का प्राचार्य होने व पत्र का संपादक होने के नाते में विद्यालय के इस प्रतिबिम्ब गोल्डन संदेश के माध्यम से विद्यार्थियों, अध्यापको, अभिभावकों व आमजन से यह कहना चाहता हूँ कि विद्यार्थियों को उनकी रूचि अनुसार शिक्षा व क्षेत्र चुनने का अधिकार दें ताकि वे अपने पसंदीदा फिल्ड मे बेहतर करने का प्रयास करें। शिक्षा क्षेत्र के अध्यापन व प्रशासन के अनुभव से एक विशेष बात जो सीखी उसका जिक्र करना चाहूँगा। मंजिल को प्राप्त करने में मैनेजमैंट ही सर्वोपरि है। किसी भी कार्य चाहे वह शिक्षा हो या ओर कोई क्षेत्र प्लानिंग बनाकर संसाधन जुटाए जाएं और उनका दृढ़ता से सदुपयोग करते हुए मंजिल की ओर सतत् बढ़ते है तो लगता है कुछ मंजिल भी हमारी ओर चलकर आई है। हिम्मत से सब कुछ सम्भव है-

तूफान कितना भी हो हाथ उठाए रखना,
दलदल कितना भी हो पैर जमाए रखना।
कौन कहता है छलनी में पानी नहीं ठहरता,
जब तक बर्फ न जम जाए प्रयास बनाए रखना।।

अध्यापन क्षेत्र में हम नन्हें-मुन्ने मासूमों के गुरू कहलाते हैं। जब वे चरण स्पर्श कर जिज्ञासु नजरों से हमारी ओर ताकते है तो मैं भाव विभोर हो जाता हूँ और सर्वस्व न्यौछावर करने की उत्सुकता रहती हैं। इनकी दुआओं से उम्र के इस पड़ाव मे भी जीवनधार निर्बाध चल रही हैं। अपने अध्यापक साथियों से बार-बार मेरा आग्रह रहता है कि-

काम ऐसा करो कि पहचान बन जाए,
हर कदम चलो ऐसा कि निशान बन जाए।
जिन्दगी तो सभी जीते हैं मेरे दोस्तो,
जिन्दगी ऐसी जीओ कि मिसाल बन जाए।।

प्रीतम सिंह

रिजल्ट : हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड ने जारी किया दसवीं व बारहवीं के प्रथम सेमेस्टर का परिणाम

विद्यार्थियों ने बेहतर प्रदर्शन कर किया नाम रोशन

संवाद सहयोगी, उकलाना: हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा घोषित परीक्षा परिणाम में नगर के गोल्डन स्कूल के विद्यार्थियों ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए अपने विद्यालय व क्षेत्र का नाम रोशन किया है। प्रिंसिपल प्रीतम सिंह ने बताया कि बोर्ड द्वारा घोषित 12 वीं के परीक्षा परिणामों में स्कूल की छात्रा मोनिका ने 412(93.6 प्रतिशत) अंक प्राप्त कर विद्यालय में पहला स्थान प्राप्त किया तथा पूजा रानी ने 425(92.3 प्रतिशत) अंक प्राप्त कर दूसरा स्थान प्राप्त किया है। रितु ने 405(92 प्रतिशत) अंक प्राप्त कर तीसरे, किरणदीप 421(91.5 प्रतिशत) अंक लेकर चौथे व मेघा वर्मा ने 401 (91.1 प्रतिशत) अंक प्राप्त कर पांचवें स्थान पर रही। उन्होंने बताया कि स्कूल के कुल 83 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए थे जिनमें से 5 छात्राओं ने 90 फीसदी से

मोनिका

दो छात्राओं को मिलेगी बॉयोलोजी छात्रवृत्ति

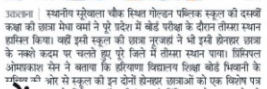

■ हरियाणा बोर्ड ने किया था चयन

मेधावी छात्राओं को सम्मानित किया

उकलाना | स्थानीय सूरेवाला चौक स्थित गोल्डन पब्लिक स्कूल की दसवीं कक्षा की छात्रा मेधा वर्मा ने पूरे प्रदेश में बोर्ड परीक्षा के दौरान तीसरा स्थान हासिल किया। वहीं इसी स्कूल की छात्रा नूरजहां ने भी इसी होनहार छात्रा के नक्शे कदम पर चलते हुए पूरे जिले में तीसरा स्थान पाया। प्रिंसिपल ओमप्रकाश सेन ने बताया कि हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी के ... ओर से स्कूल की इन दोनों होनहार छात्राओं को एक विशेष पत्र ...ल के निदेशक डॉ. दुनीचंद वर्मा, प्रिंसिपल ओमप्रकाश सेन ने ...क वर्ग व अभिभावकों को बधाई दी।

शिक्षा के साथ सामाजिक मूल्यों का रखना होगा ध्यान : नागर

गोल्डन पब्लिक स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में विजेता छात्राओं को सम्मानित करते डीआइजी जगदीश नागर।

संवाद सूत्र, उकलाना : सूरेवाला चौक पर स्थित गोल्डन पब्लिक स्कूल का वार्षिक उत्सव धूमधाम से मनाया गया। समारोह में गुड़गांव में डीआईजी जगदीश नागर बतौर ... याद रखना होगा ताकि आने वाला हमारा समाज सभ्य हो। स्कूल में पढ़ाई के दौरान जिन विद्यार्थियों में अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए लगन, मेहनत, धैर्य व जानने की ...

बॉयोलॉजी छात्रवृत्ति के लिए गरिमा और प्रेरणा का चयन

गरिमा घनघस और प्रेरणा वर्मा

भास्कर न्यूज | उकलाना

भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रोद्योगिक ...य ने स्थानीय गोल्डन पब्लिक ...। की दो छात्रा गरिमा घनघस और ... वर्मा को बॉयोलॉजी छात्रवृत्ति के ... चुना है। यह छात्रवृत्ति 2012 में ...ों की वार्षिक परीक्षा में बॉयोलॉजी ...ॉप रहने वाले विद्यार्थियों को दी ...है। गोल्डन पब्लिक स्कूल की ... छात्राओं को गोल्ड मेडल, मैरिट ...फिकेट व 20 हजार रुपये का ... देकर सम्मानित किया जाएगा। ...प्राचार्य ओमप्रकाश सेन ने ...या कि हरियाणा बोर्ड की ओर ...ॉयोलॉजी में टॉप करने वाले दो ...ार्थियों को यह छात्रवृत्ति दी जाती ...और इस बार ये दोनों ही टॉपर ...के स्कूल की हैं।

भारत सरकार देगी गोल्डन स्कूल की दो छात्राओं को छात्रवृत्ति

संवाद सूत्र, उकलाना : भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने गोल्डन स्कूल की दो छात्राओं को बायोलॉजी छात्रवृत्ति के लिए चुना है। इस छात्रवृत्ति में स्कूल की छात्रा गरिमा घणघस व प्रेरणा वर्मा को 20 हजार रुपये, गोल्ड मेडल व मेरिट सर्टिफिकेट दिया जाएगा। यह छात्रवृत्ति 2012 में बारहवीं की वार्षिक परीक्षा में बायोलॉजी मे टॉप रहने वाले विद्यार्थियों को दी गई है।

गोल्डन पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य ओमप्रकाश सेन ने बताया कि हरियाणा बोर्ड से बायोलॉजी मे टॉप करने वाले दो विद्यार्थियों को यह छात्रवृत्ति दी जाती है। इसका श्रेय विद्यार्थियों की लगन, अध्यापकों की मेहनत व स्कूल प्रशासन के सहयोग को जाता है। गौरतलब है कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय का बायो टेक्नोलॉजी विभाग हर साल देश भर के 100 टॉपर विद्यार्थियों को यह स्कॉलरशिप देता है जिसमे से 44 विद्यार्थियों का चुनाव सीबीएससी बोर्ड से, चार विद्यार्थियों का चुनाव सीआइएससीई बोर्ड से व 52 विद्यार्थियों का चुनाव 26 राज्य बोर्ड (प्रत्येक से दो-दो विद्यार्थी) से चुने जाते हैं। हरियाणा बोर्ड से चुने गए दोनों विद्यार्थी गोल्डन पब्लिक स्कूल उकलाना मंडी से हैं। वर्तमान में ये दोनों छात्राएं आगे की शिक्षा ग्रहण कर रही हैं। छात्रा गरिमा घणघस दिल्ली विश्वविद्यालय में विज्ञान की शिक्षा प्राप्त कर रही है वहीं छात्रा प्रेरणा वर्मा खानपुर विश्वविद्यालय मे एमबीबीएस की पढ़ाई कर रही है।

गरिमा घणघस

प्रेरणा वर्मा

शहीदी दिवस पर विशेष- आलेख

भारत की स्वतंत्रता में तीन ऐसे वीर सपूत हैं, जिनकी शहादत ने देश के नौजवानों में आजादी के लिए अभूतपूर्व जागृति का शंखनाद किया। देशभक्त सुखदेव, भगतसिंह और राजगुरू को अंग्रेज सरकार ने 23 मार्च को लाहौर षडयंत्र केस में फाँसी पर चढ़ा दिया था। इन वीरों को फाँसी की सजा देकर अंग्रेज सरकार समझती थी कि भारत की जनता डर जाएगी और स्वतंत्रता की भावना को भूलकर विद्रोह नही करेगी। लेकिन वास्तविकता में ऐसा नही हुआ बल्कि शहादत के बाद भारत की जनता पर स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने का रंग इस तरह चढा कि भारत माता के हजारों सपूतों ने सर पर कफन बाँध कर अंग्रेजों के खिलाफ जंग छेड़दी।

1928 के प्रारंभ में ब्रिटिश सरकार द्वारा गठित साइमन कमिशन भारत आया था। जिसमें एक भी भारतीय नही थे, अतः उसके विरोध में भारत के उन सभी शहरों में उसका बहिष्कार किया गया, जहाँ-जहाँ साइमन कमिशन गया था। उसे काले झंडे दिखाए गये। साइमन कमिशन को व्यापक जन विरोधी आन्दोलन का सामना करना पडा। इसी क्रम में जब साइमन कमिशन लाहौर पहुँचा तो वहाँ पंजाब केसरी लाला लाजपत राय के नेतृत्व में इस कमिशन का व्यापक रूप से बहिष्कार किया किया गया। अंग्रेज सैनिकों ने इस बहिष्कार को रोकने के लिए जनता पर लाठी चार्ज किया, जिसमें लाला लाजपत राय गम्भीर रूप से घायल हो गये और कुछ दिनो बाद उनकी चोट के कारण मृत्यु हो गई। इस हादसे से पंजाब के नौजवान बेचैन हो गये। क्रान्तिकारी संगठन 'हिन्दुस्तान सोशलिष्ट रिपब्लिक आर्मी' जिसके सर्वोच्च कमांडर चन्द्रशेखर आजाद थे, उन्होंने इस राष्ट्रीय अपमान का बदला लेने का निर्णय लिया। जिस अंग्रेज अफसर (सांडर्स) की मार से लाला जी की मृत्यु हुई उसे मारने की योजना बनाई गयी। इस योजना को कार्यान्वित करने के लिए क्रान्तिकारियों एक दल गठित किया गया। यह एक बडे पुलिस अधिकारी की हत्या करने की योजना थी, इसलिए इस योजना के हर पहलु पर बारीकि से अध्ययन किया गया एवं किसको क्या कार्य करना है, इसके लिए उनका कार्यक्षेत्र निर्धारित किया गया। लाला जी की मृत्यु के एक महीने पश्चात अर्थात 17 दिसम्बर को इस योजना को व्यवहरिक रूप से अंजाम देने का दिन निश्चित किया गया। पुलिस सुपरिटेंडेंट सांडर्स का ऑफिस डी.ए.वी. कॉलेज के सामने था, अतः वहाँ योजना से जुडे क्रान्तिकारी तैनात कर दिये गये। राजगुरू को सांडर्स पर गोली चलाने का संकेत देने का कार्य सौंपा गया। जैसे ही सांडर्स ऑफिस से बाहर निकला तभी राजगुरू से संकेत मिलते ही भगत सिंह ने उस पर गोलियाँ चला दी जिससे वह वहीं ढेर हो गया। भगत सिंह को पकड़ने के लिए हेड कांस्टेबल चानन सिंह ने उनका पीछा करने की कोशिश की किन्तु तभी चन्द्रशेखर आजाद ने उसपर गोली चला दी, जिससे सभी क्रान्तिकारी भागने में कामयाब हुए। इस हत्या काण्ड से पूरे देश में सनसनी फैल गई। सभी अखबारों ने इस खबर को प्रभुता से प्रकाशित किया। अंग्रेज सरकार की तरफ से इन क्रान्तिकारियों को पकड़ने की व्यापक कोशिश की गई। कुछ समय पश्चात लाहौर केस के लगभग सभी क्रान्तिकारी पकडे गये। तीन न्यायाधिशों की अदालत में देशभक्त क्रान्तिकारियों पर केस चला।

जेल से अदालत आते समय ये देशभक्त इंकलाब जिन्दाबाद और अंग्रेज मुर्दाबाद के नारे लगाते। सुखदेव और भगत सिंह की योजना थी कि इसतरह से वे अपनी कार्यशैली का प्रचार करेंगे और लोगों को स्वतंत्रता के प्रति जागृत करेंगें। अदालती कार्यवाही को जनता तक पहुँचाने का कार्य सामाचार पत्र करते थे, जिससे पूरे देश की जनता सुखदेव, भगत सिंह और राजगुरू एवं अन्य क्रान्तिकारियों के पक्ष में थी। अदालती कार्यवाही के दौरान अपार जन समूह इक्ठा हो जाता था। अदालती कार्यवाही को बाधित देखकर भारत सरकार ने एक आर्डिनेंस जारी किया जिसके अनुसार उन लोगों की अनुपस्थिती में भी कारवाही जारी करते हुए मुकदमा समाप्त कर दिया गया। देशभक्तों ने काफी दिनों तक भूख हड़ताल भी की। 63 दिनों की भूख हड़ताल के दौरान जितेंद्र नाथ का निधन भी हो गया। जन आक्रोश के डर से अदालत की सजा जेल में ही सुनाई गयी, जिसके अनुसार भगत सिहं, राजगुरू और सुखदेव को 23 मार्च को फांसी की सजा की सजा मुर्कर की गई। कुछ लोगों को आजीवन काले पानी की सजा दी गई। इस फैसले के विरोध में देशभर में हड़तालें हुई। इस केस के विरोध में पी.वी. कौंसिल में अपील की गई परन्तु देशभक्तों ने वायसराय से माफी माँगने से इंकार कर दिया। अतः राजगुरू, सुखदेव तथा भगतसिंह को 23 मार्च 1931 को सायंकाल 7 बजे लाहौर जेल में फांसी दे दी गई, अमूमन फांसी का वक्त प्रातःकाल का होता है किन्तु लोगों में भयव्याप्त करने हेतु इन्हे शाम को फांसी दी गई। उस दौरान जेल में हजारों कैदी थे, उन्होने भी डरने के बजाय पूरे जोश के साथ इंकलाब जिनंदाबाद, भारत माता की जय का आगाज किया। इंकलाब की गूंज पूरे लाहौर शहर में फैल गई। उनके शहादत की खबर से हजारो की संख्या में लोग जेल के बाहर इक्ठा होने लगे तथा इंकलाब जिन्दाबाद के नारे लगाने लगे। उग्र प्रदर्शन से बचने के लिए पुलिस ने सतुलज नदी के किनारे ले जाकर जला दिया। जब लाहौर के निवासियों को ये पता चला तो अनगिनत लोग इन भारत माता के वीर शहीदों को श्रद्धांजली देने वहाँ पहुँच गये और लौटते समय इस पवित्र स्थल से स्मृति स्वरूप एक-एक मुठ्ठी मिट्टी अपने साथ ले गये। वहाँ पर शहीदों की याद में एक विशाल स्मारक बनाया गया है। जहाँ प्रतिवर्ष 23 मार्च को लोग उन्हे श्रद्धांजली अर्पित करते हैं। ऐसे वीर सपूत जिन्होने अपनी शहादत से स्वतंत्रता का आगाज किया उनके परिचय को शाब्दिक रूप देकर उनकी वीरता को नमन करने का प्रयास कर रहे है:-

भगत सिंह – भगत सिंह का जन्म 28 सितम्बर 1907 को जिला लायल पुर के बंगा गाँव में हुआ था। पिता सरदार किशन और चाचा भी महान क्रान्तिकारी थे। अंग्रेज विरोधी गतिविधियों के कारण कई बार जेल गये थे। भगत सिहं के दादा भी स्वतंत्रता के पक्षधर थे। सिख होने के बावजूद भी वे आर्यसमाज की विचारधारा से प्रभावित थे। परिवार वाले भगत सिहं का विवाह करवाकर घर बसाना चाहते थे किन्तु भगत सिहं का मुख्य उद्देश्य भारत माता को गुलामी की जंजीर से मुक्त कराना था। भगत सिंह ने बटुकेश्वर दत्त के साथ केंद्रीय असेम्बली में 2 बम फेंके थे, जिसके कारण उन्हे लाहौर केस के पूर्व कालेपानी की सजा भी मिली थी। प्रताप अखबार के कार्यालय में काम करते हुए वे सदा देश की स्वतंत्रता के लिए काम करते हुए हँसते-हँसते फाँसी पर चढ़ गये।

सुखदेव – सुखदेव का जन्म 15 मई 1907 को लुधियाना में हुआ था। पिता का नाम रामलाल और माता का नाम श्रीमति रल्ही देई था। तीन वर्ष की अल्पआयु में ही पिता का साया सर से उठ गया था। ताया श्री चिन्तराम के संरक्षण में आपका बचपन बीता। चिन्तराम और सुखदेव के विचारों में काफी अंतर था। चिन्तराम राष्टीय कांग्रेस से जुडे हुए थे जबकि सुखदेव क्रान्तिकारी विचारधारा के थे। सुखदेव पंजाब में क्रान्तिकारी संघठन का संचालन करते थे। सुखदेव को बम बनाने की कला में महारथ हासिल थी। वे सदैव अपनी जरूरतों को दरकिनार करते हुए अपने साथियों की जरूरतों पर विशेष ध्यान देते थे। जब वे जेल में थे तब उन्होने गाँधी जी को एक पत्र लिखा था, जिसमें उन्होने गाँधी इरविन पैक्ट का विरोध किया था। गाँधी जी के उत्तर से पहले ही सुखदेव को फाँसी की सजा दे दी गई थी। गाँधी जी का पत्र नवजीवन पत्रिका में प्रकाशित किया गया था।

राजगुरू – क्रान्तिकारियों के गढ, बनारस में जन्में राजगुरू का पूरा नाम राजगुरू हरि था। चंद्रशेखर के सबसे विश्वशनीय राजगुरु की परवरिश कट्टर हिन्दुओं के मध्य हुई थी किन्तु बाद में उनका मन क्रान्तिकारी विचारधारा से प्रभावित हो गया। राजगुरू निशानेबाजी में भी सिद्धस्त थे। लाहौर केस में मुख्य अभियुक्त के रूप में उन्हे 30 सितंबर 1929 को पूना से गिरफ्तार किया गया था। सुखदेव, राजगुरू और भगत सिंह की शहादत ने आजदी के लिए जन-जन में जो जागृति का संचार किया वो इतिहास में अविस्मरणीय है। जनमानस के ह्रदय में इंकलाब की गूंज को पहुँचाने वाले देश के इन अमर वीर सपूतों को उनकी शहादत पर हम श्रद्धांजलि सुमन अर्पित करते हैं।

सामान्य ज्ञान हरियाणा

स्थापना दिवस	: 1 नवम्बर, 1966
क्षेत्रफल	: 44212 वर्ग किमी
जिले	: 21
उपमण्डल	: 58
तहसील	: 80
उपतहसील	: 50
खंड	: 125
गांव	: 6,841
नगर	: 154
प्रथम राज्यपाल	: धर्मबीर
प्रथम मुख्यमंत्री	: भगवत दयाल शर्मा
राजकीय खेल	: कुश्ती
राजकीय पशु	: नील गाय
राजकीय पक्षी	: काला तीतर
क्षेत्रफल की दृष्टि से देश में स्थान	: 20वां
सर्वाधिक जनसंख्या वाला जिला	: फरीदाबाद,
सबसे कम जनसंख्या वाला जिला	: पंचकुला
सबसे अधिक साक्षरता वाला जिला	: गुड़गांव, 84.7 %
सबसे कम साक्षरता वाला जिला	: मेवात, 54.1 %
हरियाणवी भाषा मे लिखित प्रथम उपन्यास	: झाडूफिरी
सर्वाधिक क्षेत्रफल वाला जिला	: भिवानी, 4778 वर्ग किमी
सबसे कम क्षेत्रफल वाला जिला	: फरीदाबाद, 743 वर्ग किमी

Happy Birthday to Little Golden Star

Shubham
13 March

Janvi
12 March

Arman
28 March

Arman
31 March

Saloni
3 March

Ritika
21 March

Ankita
23 March

Aman
3 March

Simran
23 March

Sneha
14 March

Shubham
28 March

Priya
21 March

Karan

Geetika
15 March

Khushboo
11 March

Parmit
11 March

Partik
30 March

Ankush

Nisha
15 March

Hitanshi
17 March

Jatin
16 March

स्वदेशी अपनाएं! DNM देश बचाएं!

DAILY NEED MARKETING & RETAIL PVT. LTD

Our Warking Sector
Health Products
FMCG Products
Home Appliances
Cosmetics

आपके लिए ऐसे आयुर्वेदिक उत्पाद जो दिलाते है आपको पुरानी से पुरानी कब्ज, गैस, तेजाब, हार्टअटैक, बल्ड प्रैशर, शुगर, कैंसर, बालों का झड़ना, मासिक धर्म का समय पर ढंग से न आना जैसी बिमारियों से छुटकारा वो भी बिना दवाईयों के और बाजार से कम दाम पर

डेली नीड की विचाराज़ारा, संपूर्ज़ भारत हो स्वस्थ हमारा
मिलावट का जहर खाने से बचें, विदेशी जहर खिलाने वालों से बचें

100%शुद्ध गारंटी शुदा

नोटः कंपनी से स्वास्थ और रोजगार पाने के लिए संपर्क करें:-
Pawan Kumar Mob. 96710-51218
Add. DNM store, Near OBC Bank Uklana (Hisar)

GOLDEN PUBLIC SCHOOL
SUREWALA CHOWK, UKLANA
LET YOUR CHILD GROW FULLY

Golden Public School
Surewala Chowk, Uklana Mandi

Requirement

PGT, TGT, PRT

Qualification as per CBSE
Salary As Per CBSE
Norms

E-mail ID - gddenschool999@gmail.com
Website-www.goldenschool.org
Phone No. 01693-235166
Mob. No. 94664-84104, 89014-21333

हमारा विद्यालय

गोल्डन पब्लिक स्कूल जैसा कि नाम से स्पष्ट शिक्षा के क्षेत्र में अपना नाम स्वर्ण अक्षरो मे दर्ज करवा रहा है। इसकी स्थापना 2002 मे हुई तथा सरकार से मान्यता प्राप्त कर विद्यालय अपने उदेश्य की ओर अग्रसर हुआ। मैनेजमैंट के प्रयास से व विद्यालय मे शिक्षा की गुणवता के आधार पर विद्यार्थियों की संख्या मे वृद्धि होती गई। 2010 के परीक्षा परिणामों ने तो शिक्षा जगत को ही चौंका दिया। कक्षा दंसवी के परीक्षा परिणामों केअनुसार गोल्डन स्कूल हरियाणा भर मे सर्वोपरि अर्थात नं. 1 पर रहा। एक बार फिर इतिहास को दोहराते हुए 2015 के परीक्षा परिणामों के आधार पर गोल्डन स्कूल ने प्रदेश भर मे तीसरा स्थान हासिल कर अपनी बादशाहत कायम रखी। 2012 के परीक्षा परिणामों मे विद्यालय की छात्रा मेघा वर्मा ने मेडिकल संकाय में प्रदेश भर मे प्रथम स्थान प्राप्त कर अपना व विद्यालय का नाम स्वर्ण अक्षरों मे दर्ज करवाया। इसके इलावा हर वर्ष विद्यार्थियों की पोजिशन स्टेट लेवल पर रहती है। शिक्षा के इलावा अन्य क्षेत्रो मे भी विद्यालय ने अपना नाम रोशन किया है। हरियाणा सरकार द्वारा उकलाना क्षेत्र मे केवल गोल्डन स्कूल में कम्पयूटर तकनीकी व मरीज सहायक नामक व्यावसायिक कोर्स शुरू किएं है, जिसमे छात्र नौवी कक्षा मे शिक्षा के साथ-साथ दाखिला ले सकतें है। समय-समय पर विद्यार्थियों को प्रेरणा देने के लिए विभिन्न क्षेत्रो से विशेषज्ञों को विद्यालय आमंत्रित किया जाता है। पिछले दिनों विद्यालय मे नवनियुक्त आई.ए.एस. अधिकरी संदीप कुंडू ने विद्यालय आकर छात्रों के साथ अपने अनुभव सांझा किए तथा बड़े लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अनेक मेहनत रूपी मंत्र बताएं। इसके इलावा डीआईजी जगदीश नागर ने विद्यालय के कार्यक्रम में आकर सफलता के मार्ग में आने वाली बाधाओं व उनसे पार पाने के लिए मार्ग बताया। उन्होनें पुलिस की कार्यप्रणाली के बारे भी विद्यार्थियों से चर्चा की व उनकी जिज्ञासाओं को शान्त किया। विद्यालय के अनेक छात्र आज विद्यालय का नाम रोशन कर रहें है, 10 छात्र एमबीबीएस की शिक्षा ग्रहण कर रहें है। इसके इलावा समय समय पर विद्यार्थियों को विभिन्न शैक्षिक, धार्मिक व ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण करवाया जाता है। पिछले दिनों विद्यालय की ओर से शिमला, चण्डीगढ़ के ऐतिहासिक स्थलों जैसे विधानसभा, पुस्तकालय, का भ्रमण करवा वहां की जानकारी से छात्रों को रू-ब-रू करवाया गया। प्रार्थना सभा में विद्यार्थी अपनी प्रतिभा को निखारतें हैं, प्रत्येक दिन हाउस अनुसार विद्यार्थी मंच का संचालन, प्रश्नोतरी, कविता, गीत, विचार, समाचार वाचन आदि गतिविधियां करवाई जाती है ताकि उनका मंच के प्रति लगाव अभी से पैदा हो सके। इसके इलावा खेलो तथा अन्य प्रकार की सहगामी प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों मे छिपी प्रतिभा को निखारने का प्रयास किया जाता है। आप सभी के सहयोग से भविष्य में भी नई बुलंदियों को छूने का प्रयास जारी रहेगा।

डी. आई. जी. जगदीश नागर विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए।

First Aid की ट्रेनिंग देते हुए प्रवक्ता चन्द्र सिंह।

शिमला विधानसभा का भ्रमण करते हुए छात्र।

बेहतर परीक्षा परिणाम की ख़ुशी मनाती छात्राएं

कर्नल छात्रों को संबोधित करते हुए।

वोकेशनल कोर्स का प्रशिक्षण लेते हुए विद्यार्थी

विद्यार्थियों से रु-ब-रु नवनियुक्त आई ए एस अधिकारी संदीप कुण्डू

प्रेरणा वर्मा को प्रदेश भर में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर राज्यपाल सम्मानित करते हुए

सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रस्तुति देते हुए छात्र

बाला जी फोटोग्राफी

A House of complete photography...

डिजिटल स्टूडियो एण्ड विडियो सोल्यूशन

Wedding Photoraphy
Fashion Photography
Advertising Photography
Out Door Photography
Candid Photography
Video Coverage

- Passport Photo & Ticket Size Photo.
- हर तरह के बीजा फोटो ग्राफ।
- B/W to Colour Photo.
- VHS (VCR) कैसेट से DVD या Pen-Drive Data बनवायें।
- पुरानी विडियो से दोबारा मिक्सिंग करवायें।
- मिनी कैसेट से दोबारा मिक्सिंग करवायें।
- किसी प्रकार की पुरानी फोटो या विडियो से फोटो बनवायें।
- डिजिटल कैमरे या मोबाईल से फोटो बनवायें।
- हर प्रकार के फाटो फ्रेम ऑर्डर पर बनवायें।
- मग, घड़ी, कलैण्डर, टी-शर्ट, चाबी के छल्ले तथा अन्य आईटम पर फोटो बनवायें।
- विवाह-शादियों, पार्टियों, जागरण व अन्य प्रोग्राम आदि में फोटो व विडियोग्राफी का विशेष प्रबन्ध है।
- SD, HD & Blue-Rey विडियो व Back to back Krizma All Type of Convera Albums.

Quick Service Fine Quality Full HD

Plazama, Caren, Screen & Drone Camera Available hare
Digital Video Editing & Album Designing

Presented by : Surendra Digital Hisar

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें।

नजदीक बारा हट्टी, अपरोच रोड़, उकलाना मण्डी

M. 92557-48876, 80598-35521

Poonam Photography

Wedding photography Fashion photography Pre- Wedding Shooting

Add:- Uklana Mandi (Hisar)

Suresh Bhatia 94162-44910

Liladher 94163-80464

!! धन-धन सतगुरू तेरा ही आसरा !!

Sunil Goyal (M.D.)

M. 98960-68472
96712-78713

Since 1996

Best Quality is Our Motto

C-LU

नोटः- हमारे यहां पर आर्डर पर स्टाफ व अन्य ड्रैस तैयार की जाती है।

Near HDFC Bank, Wazir Devi Colony, Uklana Mandi (Hisar)

E-mail : goyal.clu@gmail.com

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी दुनीचंद ने अपने स्वामित्व में सूचना प्रिंटर्स – 33– एस मॉडल टाऊन, हिसार से मुद्रित करवाकर कार्यालय : गोल्डन पब्लिक स्कूल, उकलाना (हिसार) से प्रकाशित किया। उप सम्पादक प्रीतम सिंह, ***RNI No. HARHIN06075*** मो. ***94664-84104, E-mail:- goldensandesh999@gmail.com*** (किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र हिसार होगा।)